

अध्याय 5

सम्मिश्र संख्याएँ और द्विघातीय समीकरण (Complex Number and Quadratic Equation)

Complex Number (सम्मिश्र संख्याएँ) :-

वास्तविक संख्या तथा काल्पनिक संख्याओं के सम्मिश्रण या मिलान से जो नई संख्या प्राप्त होती है, उसे सम्मिश्र संख्याएँ कहते हैं।
संयुग्मी सम्मिश्र संख्याएँ (Conjugate Number) :-

किसी दिए गए सम्मिश्र संख्या में j के स्थान पर $-j$ कर देने से प्राप्त होता है। संख्या संयुग्मी संख्या कहलाती है, इसे \bar{z} से व्यक्त करते हैं।

माना सम्मिश्र संख्या $z = a + jib$ का संयुग्मी सम्मिश्र संख्या

$$\bar{z} = a + (-jib)$$

$$\bar{z} = a - jib$$

j की घात (Power of j) :-

$$j = \sqrt{-1}, \quad j^2 = -1, \quad j^3 = -j, \quad j^4 = 1$$

Note (i) यदि j की घात, p का गुणज (p से विभाज्य हो), तो उसका मान 1 होता है।

$$\text{Ex: } j^4 = 1, \quad j^{100} = 1, \quad j^{280} = 1$$

(ii) यदि j की घात j से विभाज्य न हो, तो उसे p से भाग देकर p का भागफल + शेषफल के रूप में परिवर्तित करते हैं।

$$\text{Ex: } j^{107} = j^{4 \times 26 + 3} = j^{104} \times j^3 = 1 \times (-j) = -j$$

(iii) j की घात $(-ve)$ नहीं होता है $1 - ve$ घात को $+ve$ घात में बदल कर हल करते हैं,

$$j^{-m} = \frac{1}{j^m}$$

या $\frac{1}{j^m} = j^m$

Ex 1 $j^{-103} = \frac{1}{j^{103}} = \frac{1}{j^{4 \times 25 + 3}} = \frac{1}{j^{100} \times j^3} = \frac{1}{1 \times (-j)} = -\frac{1}{j}$

$$= \frac{-1}{j} \times \frac{j}{j} = \frac{-j}{j^2} = \frac{-j}{-1} = j$$

सम्मिश्र संख्याओं का बीज गणित (Algebra of Complex Number)

(i) सम्मिश्र संख्याओं का योगफल तथा अंतर

(Add and Difference of Complex Number)

$$Z_1 = a_1 + jb_1$$

$$Z_2 = a_2 + jb_2$$

$$Z_1 + Z_2 = a_1 + jb_1 + (a_2 + jb_2)$$

$$Z_1 + Z_2 = a_1 + a_2 + jb_1 + jb_2$$

$$Z_1 + Z_2 = (a_1 + a_2) + j(b_1 + b_2)$$

इसी प्रकार

$$Z_1 - Z_2 = (a_1 - a_2) + j(b_1 - b_2)$$

(ii)

गुणन

(Multiply)

$$Z_1 \times Z_2 = (a_1 + jb_1)(a_2 + jb_2)$$

$$= (a_1 + a_2 + ja_1b_2 + ja_2b_1)$$

$$\begin{aligned}
 &= a_1 a_2 + j a_1 b_2 + j a_2 b_1 + (-1) b_1 b_2 \\
 &= a_1 a_2 + j(a_1 b_2 + a_2 b_1) - b_1 b_2 \\
 &= (a_1 a_2 - b_1 b_2) + j(a_1 b_1 + a_2 b_1)
 \end{aligned}$$

(iii) भागफल
(Divide) :

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{a_1 + j b_1}{a_2 + j b_2}$$

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{(a_1 + j b_1)}{(a_2 + j b_2)} \times \frac{(a_2 - j b_2)}{(a_2 - j b_2)}$$

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{(a_1 + j b_1)(a_2 - j b_2)}{(a_2)^2 - (j b_2)^2}$$

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{a_1 a_2 - j a_1 b_2 + j a_2 b_1 - j^2 b_1 b_2}{(a_2)^2 - j^2 b_2^2}$$

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{a_1 a_2 + j a_2 b_1 - j a_1 b_2 + b_1 b_2}{a_2^2 + b_2^2}$$

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{a_1 a_2 + b_1 b_2 + j a_2 b_1 - j a_1 b_2}{a_2^2 + b_2^2}$$

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{a_1 a_2 + b_1 b_2 + j(a_2 b_1 - a_1 b_2)}{a_2^2 + b_2^2}$$

$$\frac{z_1}{z_2} = \frac{a_1 a_2 + b_1 b_2}{a_2^2 + b_2^2} + \frac{j(a_2 b_1 - a_1 b_2)}{a_2^2 + b_2^2}$$

(iv) गुणात्मक प्रतिलोम + माना समीक्षा = हीन उतका गुणात्मक प्रतिलोम
(Inverse qualitative) $z^{-1} = \frac{1}{z}$

(iv) गुणात्मक प्रतिलोम , माना सम्मिश्र संख्या z हो तो उसका गुणात्मक प्रतिलोम $z^{-1} = \frac{1}{z}$

Ex: $4+4j$ का गुणात्मक प्रतिलोम .

$$z = 4+4j$$

$$\begin{aligned} z^{-1} &= \frac{1}{z} = \frac{1}{4+4j} = \frac{1}{4+4j} \times \frac{4-4j}{4-4j} = \frac{4-4j}{4^2-(4j)^2} \\ &= \frac{4-4j}{16-16 \times (-1)} = \frac{4-4j}{16+16} = \frac{4-4j}{32} = \frac{4}{32} - \frac{4j}{32} \end{aligned}$$

आर्गंड तल (Argand Plane) ,

सम्मिश्र संख्याओं का माँपाक तथा पुनक्ति ज्ञात करना :-

माना एक सम्मिश्र संख्या $z = a+jb$ हो तो

$$(\text{Module}) \text{ मापांक } (r) = \sqrt{(RP)^2 + (IP)^2}$$

$$r = \sqrt{a^2 + b^2}$$

पुनक्ति के लिए (Amplitude) or (argument) :-

$$\tan \phi = \left(\frac{IP}{RP} \right)$$

$$\text{Where } 0 < \phi < \frac{\pi}{2}$$

(i) यदि पुनक्ति का क्रम प्रथम चतुर्धशि में हो, $(+, +)$

(ii) यदि पुनक्ति का क्रम द्वितीय चतुर्धशि में हो, $(-, +)$

(iii) यदि पुनक्ति का क्रम तृतीय चतुर्धशि में हो, $(-, -)$

(iv) यदि पुनक्ति का क्रम चतुर्थ चतुर्धशि में हो, $(+, -)$

$$\theta = -\phi$$

ध्रुवीय निरूपण (Polar form) किसी भी सम्मिश्र संख्या का ध्रुवीय रूप $z = r(\cos \theta + j \sin \theta)$ जहाँ r मापांक तथा θ युगलिक है।

Note (i) $z \times \bar{z} = |z|^2$

(ii) जो सम्मिश्र संख्या मानक रूप $(a + jb)$ के रूप में न हो, तो उसे सर्वप्रथम मानक रूप में व्यक्त करके तब उनका ध्रुवीय रूप ज्ञात करते हैं।